

IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences and Engineering

(SASE)

Organized


ONLINE EXPERT LECTURE

December 05, 2020

IFTM UNIVERSITY
MORADABAD
School of Agricultural Sciences & Engineering
Presents

“Expert Lecture”
On the occasion of
WORLD SOIL DAY

05 December, 2020 at 11:30 AM to 12:30 PM
Eminent Speaker



Eetela Sathyanarayana
Assistant Professor
Department of Soil Science and Agricultural Chemistry
Professor Jayashankar Telangana State Agricultural University
(Hyderabad, Telangana)

Topic:
“Problematic Soils and their management”

Link for Joining: <https://meet.google.com/eva-wbxy-qyd>

World Soil Day

An online expert lecture and quiz competition was organized by School of Agricultural Sciences and Engineering (SASE) on the topic- **“Problematic Soils and Their Management”** on the occasion of World Soil Day on 05.12.2020. Dr. Eetela Sathyanarayana, Assistant Professor, Jayshankar Telangana State Agriculture University,

Sanjiv Arora
Registrar
IFTM University
Moradabad.

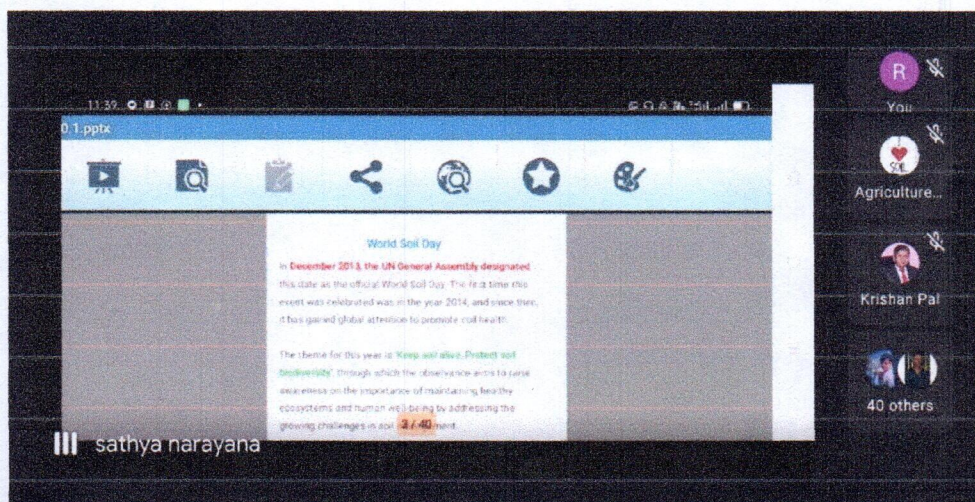
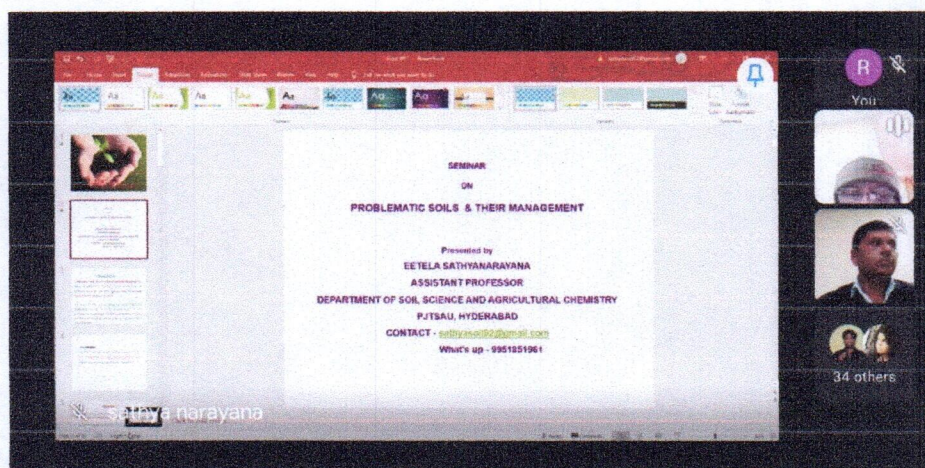
Telangana, Andhra Pradesh was the invited speaker of the event. Dr. Sathyanarayana has given a wonderful lecture on different types of problematic soils found in India. He stated that, if we want to sustain our future, first we have to sustain our soil. He also emphasized on management practices that should be adopted to reclaim the soils. Honorable Vice Chancellor Prof. M.P. Pandey and Registrar, Prof. Sanjeev Agarwal appreciated the speaker and efforts of SASE.

Coordinators: Mrs. Richa Khanna & Mr. Abhay Saini

Outcome:

The students gained knowledge about management of problematic soils in Indian conditions.

Few Glimpses....



Sanjeev Agarwal
Registrar
IFTM University
Moradabad.

Introduction

Definition

- Problematic soils are the soils to which some management and reclamation practices are required in order to improve their properties for better crop stand.
- Problematic soils includes Salt affected soils (Saline soil, Sodic soil & Saline-sodic soil) and Acid soils.
- In problematic soils physical, chemical and biological properties are badly hampered that reduces the crop production in our country, hence management of these problematic soils is necessary for sustaining the crop production and for improvement of soil health.
- In India total area under problematic soils accounts for 173.4 Mha.

sathya narayana

1. Rainfall / Leaching

Soils become acidic due to leaching of the basic cations such as Ca^{2+} , Mg^{2+} , K^+ , and Na^+ down the soil profile by excess rains. This situation is common in high rainfall areas, where precipitation exceeds evaporation, and leads to leaching.

$$\text{CO}_2 + \text{H}_2\text{O} \longrightarrow \text{H}_2\text{CO}_3$$

$$\text{H}_2\text{CO}_3 \longrightarrow \text{H}^+ + \text{HCO}_3^-$$

The released hydrogen ions replace the calcium ions held by soil colloids, causing the soil to become acid. The displaced calcium (Ca^{2+}) ions combine with the bicarbonate ions to form calcium bicarbonate, which, being soluble, is leached from the soil. The net effect is increased soil acidity.

$$\text{Ca}^{2+} + 2\text{HCO}_3^- \longrightarrow \text{Ca}(\text{HCO}_3)_2$$

sathya narayana

Media Coverage

आनलाइन प्रणाली के माध्यम से आयोजित हुई परिचर्चा एवं वि्वज प्रतियोगिता

पुराकोषाद, शनिवार, 12 दिसम्बर 2020

The clipping reports on an online discussion and quiz competition held via a digital platform. It mentions the date as Saturday, December 12, 2020, and the location as Pura Koshad. The text describes the event as a digital initiative to engage students, highlighting the participation of various groups and the successful completion of the quiz. Several small photographs show individuals who participated in the event.

Sanjeev Dhall
Registrar
IFTM University
Moradabad.

आईएफटीएम में विश्व मृदा दिवस पर हुई ऑनलाइन परिचर्चा एवं क्विज प्रतियोगिता



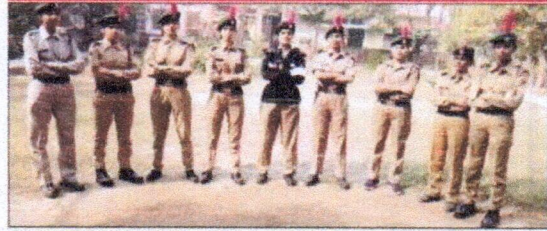
मुरादाबाद (विधान केसरी)।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं इंजीनियरिंग द्वारा विश्व मृदा दिवस के अवसर पर ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से एक परिचर्चा एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। परिचर्चा में विषय विशेषज्ञ असिस्टेंट प्रोफेसर इनेला सत्यनारायण, तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चरल विश्वविद्यालय, हैदराबाद के प्रोफेसर जयशंकर ने ह्यसमम्व्याग्रस्त मृदा: कारण एवं निदान विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इसी क्रम में छात्र-छात्राओं के ज्ञान वर्धन हेतु स्कूल द्वारा एक क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के 44 विभिन्न विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्रों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर महेंद्र प्रसाद पाण्डेय ने क्विज प्रतियोगिता के परिणाम को घोषणा की।

साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात की साक्षी श्रिया प्रथम स्थान, विधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के अनुराग बेरा द्वितीय स्थान एवं असम कृषि विश्वविद्यालय के मोहरनव सादिल्य को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। नियोरिया विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के अरिजित चौधरी,

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ की ऋचा गुप्ता, आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद की तान्या गुप्ता एवं विधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के सुभद्रा साहू को विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रतियोगिता में समान अंक अर्जित करने वाले चारों विद्यार्थियों को सांख्यना पुरस्कार भी दिया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री संजीव अग्रवाल ने स्कूल द्वारा आयोजित परिचर्चा एवं क्विज प्रतियोगिता की भूरि-भूरि प्रशंसा एवं सराहना की और भविष्य में इस प्रकार की परिचर्चा और प्रतियोगिताओं को आयोजित कराने हेतु प्रेरित किया। स्कूल के निदेशक डॉ. चौरेंद्र सिंह एवं उप निदेशक श्री के.के. बंसल ने विजेताओं को शुभाशीष दिए एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के आयोजन में कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण पाल का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम को

आईएफटीएम की एन.सी.सी. वाहिनी की बालिका कैडेट्स ने स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत की पब्लिक पार्कों की सफाई अभियान की लगातार चलती रही ऑनलाइन मॉनीटरिंग



मुरादाबाद (विधान केसरी)।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एन.सी.सी. वाहिनी एवं 9 यूथो गल्स बटालियन, मुरादाबाद के तत्वावधान में 1 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक ह्यस्वच्छता पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत गुरुवार को आईएफटीएम विश्वविद्यालय की एन.सी.सी. की बालिका कैडेट्स ने इस अभियान के अंतर्गत मुरादाबाद, चिलारो, अमरोहा, रुद्रपुर, धामपुर तथा नूरपुर सहित 10 शहरों के विभिन्न पब्लिक पार्कों की सफाई की। साथ ही साथ आमजन से भी कार्रगा के समद विशेष रूप से स्वच्छता की अपील की। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रोफेसर (मेजर) राजकुमारी सिंह ने बालिका कैडेट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि आज जनहित के प्रत्येक कार्य में बालिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। स्कूल ऑफ लॉ की असिस्टेंट प्रोफेसर व गल्स एन.सी.सी. की कैप्टन डॉ. शिल्पी गुप्ता बालिका कैडेट्स के द्वारा किए जा रहे स्वच्छता अभियान की ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से लगातार मॉनीटरिंग करती रही। स्वच्छता अभियान में कजल चौधरी, उमंग यादव, सुष्टि सिंह, शिवानी चौधरी, प्रणव, नेहा तथा शीतल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती रिचा खन्ना ने बताया कि हमें देश भर के कृषि छात्रों से बहुत उत्साहवर्धक प्रतिक्रियाएं मिलीं तथा भविष्य में भी छात्र-छात्राओं के चहुंमुखी विकास के

लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाएंगी। कार्यक्रम को तकनीकी रूप से सफल बनाने में असिस्टेंट प्रोफेसर श्री अभय सेनी का विशेष योगदान रहा।

Sanjeev Daxel
Registrar
IFTM University
Moradabad.